पाठ-25 राजदूत संजय

प्र.1पांचाल नरेश के पुरोहित ने धृतराष्ट्र को क्या संदेश सुनाया ?

उत्तर:- पुरोहित ने कहा कि युधिष्ठिर युद्ध से घृणा करते हैं। वे लड़ना नहीं चाहते हैं। इसलिए न्याय तथा पहले के समझौते के अनुसार यह उचित होगा कि आप उनका हिस्सा देने की कृपा करें।

प्र.2 संजय ने युधिष्ठिर को अपनी ओर से क्या कहा ?

उ.-संजय ने कहा कि युधिष्ठिर, धृतराष्ट्र के पुत्र न तो अपने पिता की बात पर ध्यान देते हैं, न भीष्म की ही कुछ सुनते हैं। आप सदा से ही न्याय पर स्थिर हैं। आप युद्ध की चाह न करें।

Scanned with CamSca

प्र.3 युधिष्ठिर ने धृतराष्ट्र के लिए संजय को क्या संदेश दिया ?

उत्तर:-युधिष्ठिर ने संजय से कहा कि महाराज धृतराष्ट्र को मेरी तरफ से प्रार्थना पूर्वक संदेश सुनाना कि कम से कम हमें पाँच गाँव ही दे दें। हम पाँचों भाई इसी से संतोष कर लेंगे और संधि करने को तैयार होंगे।

प्र.4 धृतराष्ट्र के समझाने पर दुर्योधन ने चिढ़कर क्या कहा ?

उत्तर:-दुर्योधन ने चिढ़कर कहा कि मैं तो सुई की नोंक के बराबर भूमि भी पांडवों को देना नहीं चाहता हूँ। अब फैसला युद्ध भूमि में ही होगा।

Scanned with CamSca